जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

7 नवंबर 2023

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के रिसर्च स्कॉलर को कार्डियोवस्कुलर रिसर्च कन्वर्जेंस-2023 में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के जैव प्रौद्योगिकी विभाग में पीएचडी स्कॉलर सुश्री खान सादिया को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली और सीएसआईआर- इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (आईजीआईबी), नई दिल्ली, द्वारा 29 अक्टूबर 2023 को संयुक्त रूप से आयोजित कार्डियोवास्कुलर रिसर्च कन्वर्जेंस (सीआरसी) 2023 में पोस्टर प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। सीआरसी कार्डियोवैस्कुलर अनुसंधान के क्षेत्र में एक प्रमुख प्रोग्राम है जो भारत भर के प्रसिद्ध चिकित्सकों और वैज्ञानिकों को हृदय अनुसंधान और मानव स्वास्थ्य के क्षेत्र के नवीनतम निष्कर्षों पर चर्चा करने और साझा करने के लिए एक साथ लाता है।

सुश्री सादिया खान प्रोफेसर जाहिद अशरफ की देखरेख में काम कर रही हैं, उनके पीएचडी शोध कार्य में प्रीक्लेम्पसिया (पीई) के विकास में इनफ्लेमेशन की भूमिका की जांच करना शामिल है। प्रीक्लेम्पसिया गर्भावस्था की एक जटिलता है और भारत में शिशु मृत्यु दर और मृत जन्म का एक प्रमुख कारण रही है। मुख्य लक्षण उच्च रक्तचाप और मूत्र में प्रोटीन का उच्च स्तर है। अगर इलाज न किया जाए तो यह मां और बच्चे के लिए घातक हो सकता है। भारत में 5-15% गर्भवती महिलाओं को प्रीक्लेम्पसिया होता है। गर्भवती महिलाओं में बीमारियों का शीघ्र पता लगाने के लिए बायोमार्कर के विकास के लिए लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली के सहयोग से पीई पर शोध किया जा रहा है। शीघ्र पता लगाने और समय पर हस्तक्षेप से पीई समस्या में कुछ हद तक सुधार हो सकता है। स्वस्थ जीवनशैली और स्वस्थ खान-पान से पीई की चुनौती का सामना किया जा सकता है।

यह अवार्ड जजों के एक पैनल द्वारा प्रदान किया गया जिसमें क्लिनिकल एक्सपर्ट्स और प्रसिद्ध वैज्ञानिक दोनों शामिल थे। जामिया की कुलपति प्रो. नजमा अख्तर (पद्मश्री) ने सादिया को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी और उनके सफल शोध करियर की कामना की।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया